the House has adopted a new system by which we will have to seek permission for a particular subject to be raised during the Zero Hour. We are not aware of it. (Interruptions)

THE VICE-CHAIRMAN (SYED SIBTEY RAZI) : Hon. Member, you know that this practice is in vogue and everyday this is being done. If you do not want to continue with this practice, it is better that you have a dialogue with the Chairman. So far, this has been the practice that to maintain decorum in the House and to give maximum opportunity to the hon. Members to express their views on problems which are of a very, very important nature, it was felt necessary that they should be raised during the Zero Hour. The Leader of the Opposition himself said that the Zero Hour is not mentioned anywhere in the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Council of States. But it is the convention of the House. So, I think, you will cooperate with me on this issue.

SHRI DINESHBAI TRIVEDI : Sir, I think, I have not been able to make my point clear. I would like to know whether there is a particular format for this purpose or are we required to give it in writing ? I am not aware of this. How are we doing this ? I am aware of the Zero Hour and I have no objection to that. All I am trying to say is : What is the formality ? How do we do it ?

THE VICE-CHAIRMAN (SYED SIBTEY RAZI) : For your information, it has been the practice till now that the Members gives in writing and they seek the permission from the Chairman stating that on such and such day, they will raise such and such matters during the Zero Hour. Now, kindly co-operate with me.

SHRI SATISH PRADHAN : Sir, should I raise my matter now ? I will take half-a-minute.

THE VICE-CHAIRMAN (SYED SIBTEY RAZI) : All right.

GOVERNMENT'S AGREEMENT WITH STAR TV

SHRI SATISH PRADHAN (Maharashtra) : Thank you very much, Sir. There is information that the Goverment is entering into an agreement with the Star TV and they are alloting some site to them somewhere in Jammu and Kashmir o instal a satellite to announce their programmes. If it is true, then this is very dangerous. So, through you, Sir, I request the Government to come forward and make a statement as to what type of agreement the Government is going to enter into with the Star TV people. Thank you.

उपसभाध्यक्ष (संयद सिब्ते रजी) : श्री महेश्वर सिंह । डा. मुरली मनोहर जोशी ।

VIOLENCE IN DHARAMSHALA

डा. मुरली मनोहर जोशी (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं आपकी आज्ञा से एक बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न पर सदन का और सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं । पिछले दिनों समाचार पत्रों में और समाचार पत्रों के संपादकीय में धर्मशाला में हुई घटना के बारे में बहुत चिंता व्यक्त की गई । मेरा शासन से अनुरोध होगा कि इस घटना के सभी आयामों, सभी डायमेन्शन को ध्यान में रखा जाए । जिन लोगों ने वहां कानून अपने हाथ में लिया उनको तो सजा मिलनी ही चाहिए, लेकिन इस बात का भी ध्यान रखा जाना चाहिए कि उस घटना का संबंध दलाई लामा और उस क्षेत्र से है, जहां उनकी निर्वासित सरकार निवास कर रही है, गवर्नमेन्ट इन एक्साइल रहती है । ऐसा कुछ नहीं होना चाहिए, जिससे इस घटना के दोबारा भड़कने का अंदेशा रहे और इसके बाद होने वाले परिणामों से एक तरफ तो क्षेत्र की शांति और कानून व्यवस्था में व्यवधान आए और दूसरी तरफ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कोई चीज भड़कने पाए ।

तो मैं आपके माध्यम से अनुरोध करूंगा यह मंत्री महोदय यहां बैठे हुए हैं, कि वह सदन को आश्वस्त करें कि दलाई लामा और उनके साथियों की और उनकी संस्था की जहां रक्षा होगी, वहां राज्य सरकार उन लोगों को भी दंडित करेगी, जिन लोगों ने कानून अपने हाथ में लिया है और मैं समझता हूं कि इसमें केवल पीसमील या छोटी-मोटी मलहम लगाने से काम नहीं चलेगा, इसकी गहराई में जाना होगा क्योंकि

अब समस्या के डायमेंशन्स काफी बढ़ रहे हैं । तो वर्षों से वहां दलाई लामा को सरकार का निवास है, उसके जो भी सामाजिक परिणाम हो रहे हैं, उनको भी ध्यान में रखा जाए और इस बात की चेष्टा की जाए कि वहां रहने वाले, तिब्बत के आने वाले भाइयों में और बाकी देशवासियों में किसी प्रकार का कोई तनाव पैदा न होने पाए जिसके परिणामस्वरूप जैसी घटना वहां हुई है, वह दोबारा से न हो ।

श्री मोहम्मद सलीम (पश्चिमी बंगाल) : वाइस चेयरमैन सर, इस संबंध में मैं एक बात कहना चाहता हूं, इससे पहले भी यह सदन में उठी है । यह जो तिब्बत के रिफ्यूजी हैं, वे किसी भी मकसद से, जैसे भी, वह हमारे देश में आए थे । अब हम भारत और चीन के संबंधों को सुधारना चाहते हैं और दोनों देश करीब आ रहे हैं । सिक्किम के सवाल पर हो या तिब्बत के सवाल पर हो, हम एक दूसरे देश का जो रवैया था, वह भी बदल रहे हैं । और यह हमारे देश पर आफत आ रहा है । हमारे जो सिटिजन्स हैं, नागरिक हैं, उनके साथ ये तिब्बत के रिफ्यूजी एण्टी सोशियल एक्टीविटीज, स्मगलिंग और दूसरे तरह-तरह के काम, चाहे वे सिक्किम में हों, चाहे वे उत्तर प्रदेश में हों या धर्मशाला में हों या हिमाचल प्रदेश में हों, यह शिकायत आ रही है कि आम तौर पर लोकल ट्रेडर्स बिजनेसमैन स्टूडेंट्स यूथ के साथ उनकी कफ्रंटेशन हो रही है । सरकार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए, हिमाचल प्रदेश की सरकार से और सिक्किम सरकार से इस बारे में चर्चा होनी चाहिए और हमारे विदेश मंत्री भी यहां बैठे हुए हैं, हम कब तक यह बोझ झेलेंगे, इस बारे में सरकार को कोई कोई निर्णय लेना चाहिए । वह अपने-अपने देश में जाएं . . . . .

(व्यवधान) . . . .

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (पश्चिमी बंगाल) : इन्होंने जितने रिफ्यूजीज हैं,

شری محمد سلیم : وائس چیئرمین سر، اس سمبندھ میں میں ایک بات کہنا چاہتا ہوں اس سے پہلے بھی یہ سدن میں اٹھی ہے۔ یہ جو تبت کے رفیوجی ہیں وہ کسی بھی مقصد سے جیسے بھی وہ ہمارے دیش میں آئے تھے اب ہم بھارت اور چین کے سمبندھوں کو سُدھارنا چاہتے ہیں۔ اور دونوں دیش قریب آ رہے ہیں سکم کے سوال پر ہو یا تبت کے سوال پر ہو ہم ایک دوسرے دیش کا جو رویہ تھا وہ بھی بدل رہے ہیں اور یہ ہمارے دیش پر آفت آ رہا ہے۔ ہمارے جو سٹی زنس ہیں، ناگرک ہیں ان کے ساتھ یہ تبت کے رفیوجی اینٹی سوشل ایکٹی وٹیز اسمگلنگ اور دوسرے طرح طرح کے کام چاہے وہ سکم میں ہوں چاہے وہ اتر پردیش میں ہوں یا دھرمشالہ میں ہوں یا ہماچل پردیش میں ہوں یہ شکایت آ رہی ہے کہ عام طور پر لوکل ٹریڈرس بزنس میں اسٹوڈنٹس یوتھ کے ساتھ انکی کنفرنٹیشن ہو رہی ہے سرکار کو اسے گمبھیرتا سے لینا چاہیئے۔ ہماچل پردیش کی سرکار سے اور سکم سرکار سے اس بارے میں چرچہ ہونی چاہیئے اور ہمارے وِدیش منتری بھی یہاں بیٹھے ہوئے ہیں۔ ہم کب تک یہ بوجھ جھیلیں گے۔ اس بارے میں سرکار کو کوئی نرنے تو لینا چاہیے۔ وہ اپنے اپنے دیش میں جائیں۔

†[ ] Translation in Arabic Script.

मसाला किया कह दिया है . . . (व्यवधान)

श्रीमती सरला माहेश्वरी : (पश्चिमी बंगाल) : यह बहुत ही गंभीर मसला है, संवेदनशील मसला है . (व्यवधान) . . .

THE VICE-CHAIRMAN (SYED SIBTEY RAZI) : Saralaji, you take the floor later on. Please sit down. You take the floor later on.

(Interruptions)

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : मेरा सिर्फ यह निवेदन है कि डा. मुरली मनोहर जोशी ने जिस विषय को उठाया है, वह बहुत ही गंभीर है और उस पर सरकार को ध्यान देना चाहिए । मेरी समझ में सरकार ध्यान दे भी रही है और वहां सिचुएशन नार्मल होनी चाहिए । लेकिन इस तरीके के स्वीपिंग रिमार्क्स कि जितने भी तिब्बतियन रिफ्यूजी यहां पर हैं सब स्मगलिंग में लगे हुए हैं, यह रिकार्ड पर नहीं आना चाहिए . . . . (व्यवधान)

श्री मोहम्मद सालीम : मैंने जितने भी रिफ्यूजी नहीं कहा,

Some of them, of course.

†[شری محمد سلیم: میں نے جتنے بھی رفیوجی نہیں کہا...

THE VICE-CHAIRMAN (SYED SIBTEY RAZI) : He has not passed a sweeping remark. It has been cleared now.. (*Interruptions*) . . .

श्रीमती सरला माहेश्वरी : धर्मशाला का यह जो मसला है, बहुत ही गंभीर मसला है, संवेदनशील मसला है । मैं यह बात कहना चाहती हूं कि धर्मशाला में ऐसा लगता है कि कोई स्वतंत्र संप्रभु सरकार चल रही है, जिस पर हमारे गृह मंत्रालय की कोई नजर नहीं है । मैं यह कहना चाहूंगी कि गृह मंत्रालय इस बात की ओर ध्यान दे और इस तरह का माहौल न बनाया जाए जिससे कि हमारे देश की ओर से हमारे पड़ोसी देशों को कोई गलत संदेशा जाए कि हम इस तरह का कोई माहौल यहां पर पैदा कर रहे हैं । . . . (व्यवधान)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दिल्ली) : तिब्बत का सवाल है . . . (व्यवधान) . . . तिब्बत और चीन का सवाल बिल्कुल अलग सवाल है । . . (व्यवधान) . . .

THE VICE-CHAIRMAN (SYED SIBTEY RAZI) : No, it is not a discussion. . . . (*Interruptions*). No arguments and counter arguments. . . . (*Interruptions*) . . . No; Mr. Joshi has made his point. I am not permitting you. Please take your seat, Mr. Malkani. Mr. Joshi has made his point of view. Mr. Malhotra, please sit down. Mr. Joshi has made quite sufficiently his point.

श्री दिग्विजय सिंह (बिहार) : उपसभाध्यक्ष महोदय, आपने तिब्बत के खिलाफ ऐसी बातों को कहने की इजाजत दी . . . (व्यवधान) . . . जो अब तक देश की परम्परा रही है । . . (व्यवधान) आखिर तिब्बत के लोगों को हमने यहां मेहमान के रूप में रखा है । . . . (व्यवधान) . . . वह इस देश की परम्परा का हिस्सा नहीं रहा । . . . (व्यवधान) . . .

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : देखिए, आपने मुझको रोक दिया और उनको आप अलाउ कर रहे हैं । . . . (व्यवधान) . .

THE VICE-CHAIRMAN (SYED SIBTEY RAZI) : Mr. Salim, please take your seat. . . . (*Interruptions*) . . . Mr. Salim has categorically stated that he had not at all any intention of passing a sweeping remark. The thing has been cleared now. You should not try to diverge upon so much time on this point. Mr. Joshi has raised a point and there were submissions from other Members also. So you should stop. . . (*Interruptions*) . .

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : मुझे एक सेकेन्ड के लिए इजाजत दीजिए । उन्होंने यह कहा कि चीन को गलत संदेश न चला जाए, तिब्बत की स्वतंत्रता का सवाल बिल्कुल अलग है, हम तिब्बत की स्वतंत्रता चाहते हैं और इससे चीन को क्या मैसेज जाता है, उसका कोई

---

†[ ] Translation in Arabic Script.

सवाल नहीं । चीन के साथ इसका क्या ताल्लुक है ? . . . (व्यवधान) . . .

THE VICE-CHAIRMAN (SYED SIBTEY RAZI) : No, I am not permitting. You have made your point. . . . (*Interruptions*) . . I am not permitting anybody now. . . (*Interruptions*) . . .

SHRI JAGESH DESAI (Maharashtra) : Sir, from this side you should also permit . . . (*Interruptions*) . . .

THE VICE-CHAIRMAN (SYED SIBTEY RAZI) : No, it is not a discussion.

SHRI JAGESH DESAI : Please allow me to speak. . . . (*Interruptions*) . . .

THE VICE-CHAIRMAN (SYED SIBTEY RAZI) : Please take your seats.

श्री अनन्तराय वेदशंकर वधे (गुजरात) : . . . (व्यवधान) उनको एसोसिएट करना हो तो करें । ऐसी बात नहीं कहनी चाहिए । उनको एसोसिएट करना हो तो करें . . . (व्यवधान) ।

THE VICE-CHAIRMAN (SYED SIBTEY RAZI) : Please sit down. Mr. Salim has clarified the position. Please don't interrupt.

SHRI JAGESH DESAI : Sir, . . .

THE VICE-CHAIRMAN (SYED SIBTEY RAZI) : Mr. Desai, please sit down. Please cooperate with me. (*Interruptions*).

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry) : Our relations with China are improving. Let us not create any controversy. (Interruptions).

SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA : According to the Government of India China has illegally occupied . . . (Interruptions).

THE VICE-CHAIRMAN (SYED SIBTER RAZI) : Shri Sunder Singh Bhandari. Mr. Malkani, please sit down.

SHRI K. R. MALKANI (Delhi) : You have called my name. I have to make my Special Mention.

THE VICE-CHAIRMAN (SYED SIBTEY RAZI) : We have not yet taken up the Special Mentions. Please sit down.

Murder of a Jaipur Jeweller in Bangkok

श्री सुन्दर सिंह भंडारी (राजस्थान) : उपसभाध्यक्ष महोदय, आज समाचार पत्रों में भी इस बात का उल्लेख हुआ है कि चार महीने पहले दिसम्बर में बैंकाक में जयपुर-राजस्थान के एक निवासी प्रताप सिंह बलदिया जो वहां पर जवाहरात का काम करते थे, उनकी हत्या कर दी गई थी । उसी समय वहां नलिन जवेरी और उनकी पत्नी की भी उनके दफ्तर में हत्या कर दी गई थी और कुर्सी से बांधने के बाद उनकी हत्या की गई थी । आज चार महीने का समय हो गया है मगर हत्यारे पकड़े नहीं गए हैं । राजस्थान-जयपुर के जवाहरात का धंधा करने वाले लोग जो दुनियां के कई क्षेत्रों में जाते हैं, उनकी पिछले कुछ वर्षों में रहस्यमय ढंग से हत्याएं हुई हैं, वे गायब हुए हैं । यह हत्याएं कई प्रमुख शहरों में हुई हैं । न्यूयार्क में हुई हैं, हांगकांग, जेनेवा, ब्राजील और जर्मनी में हत्याएं हुई हैं । न्यूयार्क में सत्यनारायण गुप्ता की हत्या हुई थी, ब्राजील में राम गुप्ता की हत्या हुई, हांगकांग से जेनेवा जाते हुए हेम चन्द गोलछा की हत्या हुई । कुछ लोगों की लाशें भी नहीं मिलीं और इसीलिए एक दो हत्याओं के बारे में यह संदेह है कि अगर ठीक प्रकार से वहां की सरकार इनकी जांच कराए तो इनका पता लग सकता है । मेरा आपसे निवेदन है कि विदेश मंत्रालय को इस मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए और संबंधित सरकारों से इस बात का पता कराएं । इन हत्याओं के मामले की उचित प्रकार से जांच कराई जाए और ठीक प्रकार से न्याय प्राप्त हो, यही मैं आपके मार्फत विदेश मंत्रालय को कहना चाहता हूं ।

Strike by Bank Officers on 5th May

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE (West Bengal) : Sir, two lakh bank employees of the public sector banks and the private sector banks have given a call for a country-wide strike on 5th May. The strike notice was served on the 14th April, 1994 to the IBA. Though the representations were made in February 1994, there is no response and no negotiations have yet started. Sir, through you, I urge upon